

अपनी ओर से, संघ से वित्तीय सहायतार्थ प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करती है और आवश्यकतानुसार उपयुक्त सहायता प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान, पटियाला ऐसे प्रशिक्षक तैयार कर रहा है जो देश में तैराकी के सामान्य स्तर को ऊंचा उठाने के लिए वैज्ञानिक ढंग से प्रशिक्षण दे सकें।

रूसी अधिकारियों के साथ वामपंथी साम्यवाधियों का सम्पर्क

8380. श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 9 मई, 1966 को भारत की साम्यवादी पार्टी के वामपंथी दल के एक सदस्य को रूसी अधिकारियों के साहचर्य में पकड़ा गया था;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस मामले में क्या कार्यवाही की है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बिद्या चरण शुक्ल): (क) सरकार के पास कोई सूचना नहीं है।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठते।

Arrest of Nagas by the Assam Police

8381. Shri Yashpal Singh:
Shri S. C. Samanta:
Shri Madhu Limaye:
Shri S. M. Banerjee:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri George Fernandes:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether the Chief Minister of Nagaland has complained against the

mass arrests of Nagas by the Assam Police; and

(b) if so, the action taken thereon?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) The Chief Minister, Nagaland, had referred to this matter in his correspondence with the Government of India. There was also exchange of correspondence on this subject between the Chief Ministers of Nagaland and Assam.

(b) The Government of India have kept in touch with the State Governments. The Chief Secretaries, Assam and Nagaland, met and discussed this subject to their mutual satisfaction.

रूस से प्राप्त पुस्तक

8382. श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि साम्यवादी दल के सैन्यी बुक हाउस, मद्रास ने विक्री-कर अधिनियम के अन्तर्गत रूस और चीन से पुस्तकों खरीदने के लिये मद्रास सरकार से 1957-58 में 30,000 रुपये की विदेशी मुद्रा प्राप्त की थी;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन पुस्तकों की विक्री से 1 लाख 20 हजार रुपये प्राप्त हुए थे, अर्थात् 90,000 रुपये का लाभ कमाया गया था और इस प्रकार एक विदेशी साधन द्वारा एक राजनैतिक दल को धन दिया गया; और

(ग) यदि हां, तो क्या इसके बारे में सरकार ने कोई कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बिद्या चरण शुक्ल): (क) और (ख) जवाब की जा रही है।